Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to include Latur district of Maharashtra in the list of Aspirational districts-laid.

श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगारे (लातूर): महाराष्ट्र का लातूर जिला विगत तीन सालों से प्रकृति की मार झेल रहा है । 1993 का भीषण भूकम्प, तीन दशकों का भीषण सूखा तथा पिछले दो सालों से अति वृष्टि के कारण यहां भारी विनाश हुआ है । 30 सालों के भीषण सूखे के कारण यहां की खेती पूरी तरह बरबाद हो गई है, भूमिगत जल का लेवल काफी नीचे चला गया तथा पानी की कमी के कारण यहां से सारे उद्योग पलायन कर चुके हैं एवं उद्योंगों के अभाव में यहां भारी बेरोजगारी फैली हुई है । उसके बाद पिछले दो सालों की अति-वृष्टि के करण यहां के पहले से ही बरबाद किसानों की खड़ी फसलें बरबाद हो गई, सैकड़ों लोग मारे गए, हजारों मवेशी बाढ़ में बह गए तथा हजारों मकान अति-वृष्टि के कारण पूरी तरह टूट गए अथवा बाढ़ में बह गए हैं । जहां इस जिले को पूरे देश में दालों के उत्पादन के लिए जाना जाता था, वहीं अब इस जिले की अर्थव्यवस्था पूरी तरह बरबाद हो गई है । अब यह महाराष्ट्र के पिछड़े जिलों में गिना जाता है । इसी कारण इस जिले के पुनर्विकास किए जाने की अत्यधिक आवश्यकता है ताकि यह देश की विकास की गति के अनुरूप विकसित हो सके ।

अत: मेरा सरकार से अनुरोध है कि लातूर जिले को ASPIRATIONAL DISTRICTS की सूची में शामिल कर इसके त्वरित विकास हेतु विशेष फंड उपलब्ध करवाकर इस जिले का चहुंमुखी विकास हेतु कदम उठाए जाएं ताकि यहां से पलायन कर चुके उद्योग धंधे वापस लौटें, नौजवानों को बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त हों, खेती को पुनर्जीवित किया जाए और परिणामस्वरूप यहां की अर्थवयवस्था पुन: पटरी पर लौट सके ।